

भारत के  
नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का  
वर्ष 2023–24 के लिए राज्य के वित्त पर प्रतिवेदन

बिहार सरकार  
वर्ष 2025 का प्रतिवेदन संख्या—1



# विषय सूची

| विवरण                                                    | संदर्भ |       |
|----------------------------------------------------------|--------|-------|
|                                                          | कंडिका | पृष्ठ |
| <b>प्रावक्तव्य</b>                                       |        | v     |
| <b>कार्यकारी सारांश</b>                                  |        | vii   |
| <b>अध्याय—I विहंगावलोकन</b>                              |        |       |
| राज्य की रूपरेखा                                         | 1.1    | 1     |
| राज्य वित्त लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का आधार और दृष्टिकोण   | 1.2    | 5     |
| सरकारी लेखे की संरचना एवं बजटीय प्रक्रिया                | 1.3    | 5     |
| राजकोषीय संतुलनः घाटे एवं कुल ऋण लक्ष्यों की प्राप्ति    | 1.4    | 11    |
| लेखापरीक्षा द्वारा जाँच के बाद घाटे/बकाया देनदारियाँ     | 1.5    | 16    |
| <b>अध्याय—II राज्य के वित्त</b>                          |        |       |
| परिचय                                                    | 2.1    | 19    |
| 2022–23 की तुलना में राजकोषीय संग्रह में प्रमुख परिवर्तन | 2.2    | 19    |
| निधियों के स्रोत और अनुप्रयोग                            | 2.3    | 20    |
| राज्य के संसाधन                                          | 2.4    | 21    |
| संसाधनों का अनुप्रयोग                                    | 2.5    | 39    |
| लोक लेखा                                                 | 2.6    | 59    |
| लोक दायित्व प्रबंधन                                      | 2.7    | 65    |
| नकद शेष राशि का प्रबंधन                                  | 2.8    | 78    |
| निष्कर्ष                                                 | 2.9    | 81    |
| अनुशंसाएँ                                                | 2.10   | 82    |
| <b>अध्याय—III बजटीय प्रबंधन</b>                          |        |       |
| बजट प्रक्रिया                                            | 3.1    | 83    |
| विनियोग लेखे                                             | 3.2    | 86    |
| बजटीय और लेखांकन प्रक्रिया की प्रामाणिकता                | 3.3    | 87    |
| बजटीय और लेखांकन प्रक्रिया की प्रभावशीलता                | 3.4    | 92    |
| चयनित अनुदानों की समीक्षा                                | 3.5    | 98    |
| अनुदान संख्या—03 “भवन निर्माण विभाग”                     | 3.5.1  | 98    |
| अनुदान संख्या—21 “शिक्षा विभाग”                          | 3.5.2  | 102   |
| विशिष्ट बजट की समीक्षा                                   | 3.6    | 107   |
| जेंडर बजट की समीक्षा                                     | 3.6.1  | 107   |

# विषय सूची

| विवरण                                                                   | संदर्भ  |       |
|-------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
|                                                                         | कांडिका | पृष्ठ |
| बाल कल्याण बजट की समीक्षा                                               | 3.6.2   | 109   |
| हरित बजट की समीक्षा                                                     | 3.6.3   | 110   |
| निष्कर्ष                                                                | 3.7     | 112   |
| अनुशंसाएँ                                                               | 3.8     | 112   |
| <b>अध्याय-IV लेखे की गुणवत्ता एवं वित्तीय प्रतिवेदन संव्यवहार</b>       |         |       |
| राज्य सरकार के ऋण (गैर-बजट उधारी) को समेकित निधि में जमा नहीं किया जाना | 4.1     | 115   |
| ब्याज सहित जमा राशियों पर ब्याज के दायित्व का निर्वहन नहीं किया जाना    | 4.2     | 116   |
| राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को निधि का सीधा अंतरण                       | 4.3     | 116   |
| स्थानीय जमा निधि                                                        | 4.4     | 117   |
| उपयोगिता प्रमाण-पत्रों की प्रस्तुति में विलंब                           | 4.5     | 119   |
| सार आकस्मिक (ए०सी०) विपत्र                                              | 4.6     | 121   |
| व्यक्तिगत जमा (पी०डी०) खाता                                             | 4.7     | 122   |
| लघु शीर्ष "800" का अनुचित प्रयोग                                        | 4.8     | 124   |
| मुख्य उचंत और ऋण, जमा और प्रेषण (डी०डी०आर०) शीर्ष के अंतर्गत लंबित शेष  | 4.9     | 126   |
| विभागीय संव्यवहारों का असमाशोधन                                         | 4.10    | 129   |
| नकद शेष का समाशोधन                                                      | 4.11    | 130   |
| लोक लेखे के अंतर्गत प्रतिकूल शेष                                        | 4.12    | 130   |
| लेखांकन मानकों का अनुपालन                                               | 4.13    | 130   |
| एस०पी०एस०ई० को बजटीय सहायता जिनके लेखे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है    | 4.14    | 131   |
| स्वायत्त निकायों के लेखा/पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण     | 4.15    | 132   |
| राज्य वित्त लेखापरीक्षा प्रतिवेदन पर अनुवर्ती कार्रवाई                  | 4.16    | 133   |
| अस्थायी अग्रिम/अग्रदाय का असमायोजन                                      | 4.17    | 134   |
| चेक एवं विपत्र                                                          | 4.18    | 134   |
| एकल नोडल लेखांकन (एस०एन०ए०)                                             | 4.19    | 135   |
| निष्कर्ष                                                                | 4.20    | 136   |
| अनुशंसाएँ                                                               | 4.21    | 137   |

# विषय सूची

| परिशिष्ट |                                                                                              | संदर्भ  |       |
|----------|----------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| क्रम सं० | विवरण                                                                                        | कांडिका | पृष्ठ |
| 1.1      | राज्य का परिचय                                                                               | 1.1     | 139   |
| 1.2      | बिहार सरकार की वित्तीय स्थिति का सारांश                                                      | 1.3.2   | 140   |
| 2.1      | राज्य सरकार के वित्त के कालश्रृंखला ऑँकड़े                                                   | 2.3     | 141   |
| 2.2      | ऋण की नकारात्मक शेष राशि                                                                     | 2.5.3.3 | 145   |
| 3.1      | मामले जहाँ अनुपूरक प्रावधान अनावश्यक साबित हुए (प्रत्येक मामले में ₹ 100 करोड़ या अधिक)      | 3.3.2   | 147   |
| 3.2      | निधियों का अनावश्यक पुनर्विनियोजन                                                            | 3.3.3   | 148   |
| 3.3      | निधियों का आधिक्य पुनर्विनियोजन                                                              | 3.3.3   | 149   |
| 3.4      | बड़ी बचत वाले अनुदान/विनियोजन (₹ 100 करोड़ और अधिक)                                          | 3.3.4   | 150   |
| 3.5      | ₹ 500 करोड़ से अधिक तथा कुल प्रावधान का 30 प्रतिशत बचत वाले अनुदान/विनियोग                   | 3.3.4   | 152   |
| 3.6      | 2019–20 से 2023–24 के दौरान सतत बचत को प्रदर्शित करने वाले अनुदान (₹ 500 करोड़ और उससे अधिक) | 3.3.4   | 153   |
| 3.7      | 2023–24 में ₹ 500 करोड़ और उससे अधिक निधियों के अभ्यर्पण का विवरण                            | 3.3.4   | 154   |
| 3.8      | अनुदानों/विनियोगों का शत-प्रतिशत अनुपयोगी रहना (₹ 100 करोड़ और अधिक)                         | 3.4.1   | 155   |
| 3.9      | मार्च 2024 माह में सघन व्यय                                                                  | 3.4.4   | 156   |
| 3.10     | शत-प्रतिशत व्यय मार्च 2024 में किया जाना (प्रत्येक मामले में ₹ दस करोड़ और उससे अधिक)        | 3.4.4   | 157   |
| 4.1      | प्रतिकूल शेषों की विवरणी                                                                     | 4.12    | 158   |
| 4.2      | एस०पी०एस०ई० को बजटीय सहायता, जिनके लेखे मार्च 2024 तक बकाया थे                               | 4.14    | 159   |
| 4.3      | निकायों/प्राधिकरणों की सूची, जिनके वित्त विवरणी उपलब्ध नहीं कराए गए थे                       | 4.15    | 162   |
|          | संकेताक्षरों की शब्दावली                                                                     |         | 165   |